वैदिक सभ्यता 1500 ई.पू. - 600 ई.पू.

यजुर्वेद -

यजुर्वेद को चारो वेदों में सबसे अभिन्न वेद माना जाता है क्योंकि इस वेद को गद्य और पद्य दोनों में रचा गया है l यह वेद एक कर्मकाण्डीय वेद है l यजुर्वेद में 40 अध्याय हैं। इस वेद का पुरोहित अध्वर्यु है।

यजुर्वेद की 2 शाखाएं हैं-

1. शुक्ल यजुर्वेद

2. कृष्ण यजुर्वेद

शुक्ल यजुर्वेद - इस वेद को वाजसनेयी संहिता भी कहा जाता है। शुक्ल यजुर्वेद पद्य में रचित है। इस वेद के 2 भाग हैं, पहला भाग काण्व तथा दूसरा भाग मध्यदिन है| शुक्ल यजुर्वेद के ब्राहम्ण ग्रन्थ का नाम सतपथ ब्राहम्ण है।

कृष्ण यजुर्वेद - कृष्ण यजुर्वेद गद्य और पद्य दोनों में रचित है। इस वेद के चार भाग है-

1. काठक **2.** कपिष्ठल **3.** मैत्रेयी **4.** तैत्तरीय

कृष्ण यजुर्वेद के ब्राहम्ण ग्रन्थ का नाम तैत्तरीय ब्राहम्ण ग्रन्थ है।

यजुर्वेद के आरण्यक ग्रन्थ - यजुर्वेद के तीन आरण्यक थे-

वृहदारण्यक आरण्यक l

Video/Live Classes   Mock Test Series   Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है l अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता l"

तैत्तरीय आरण्यक।

सतपथ आरण्यक।

यजुर्वेद के उपनिषद का नाम -

वृहदारण्यक उपनिषद - इस उपनिषद में याज्ञवलक्य तथा गार्गी के मध्य संवाद का वर्णन किया गया है|

कठोपनिषद - इस उपनिषद में यम तथा नचिकेता के मध्य जो संवाद हुआ उसी का वर्णन किया गया है|

तैत्तरीय उपनिषद - इस उपनिषद में "अधिक अन्न उपजाओ" का उल्लेख किया गया है|

यजुर्वेद- यजुर्वेद में पांच प्रकार के चावल का उल्लेख किया गया है| और सबसे प्रमुख चावल का नाम महाव्रीहि था। यजुर्वेद का अंतिम भाग इशोपनिषद कहलाता है।

Visit on:-https://youtu.be/OBJdB2yPLVY

#यजुर्वेद # प्राचीन भारत का इतिहास # वैदिक काल

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"